



0117CH14

## 14. चकई के चकदुम

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!  
गाँव की मड़ैया, साथ रहें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!  
ग्वाले की गैया, दूध पिँ हँ-तुम।



चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!  
कागज़ की नैया, पार करें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!  
फुलवा की बगिया, फूल चुनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!  
खेल खतम भैया! आओ चलें हम-तुम!



इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?



महाराष्ट्र की वरली शैली में बने इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।





## हम-तुम, तुम-हम

चकई के चकदुम, कवि बनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम  
अम्मा की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।



चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

.....

चकई .....

चकई के .....

## अब बनाकर देखो

पढ़ो और उसका चित्र बनाओ।

कागज़ की नैया,  
पार करें हम-तुम।

गाँव की मड़ैया,  
साथ रहें हम-तुम।

फुलवा की बगिया,  
फूल चुनें हम-तुम।